RECOMMENDATIONS OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Re : Allocation of time for Government and other Business

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL) : I have to inform hon. Members that the Business Advisory Committee, at its meeting held on 31st July, 1986, allotted three hours for consideration and return of the Appropriation (No.4) Bill, 1986, as passed by Lok Sabha Time for the Bills was allotted at the meeting held on 24th July, 1986 and announced in the House.

THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL. 1984] to *amend article* 5/ij—(Contd.)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL) : Now, Bills for introduction. Shri Chitta Basu, not here.

We take up the earlier Bill.

श्री कल्पनाथ राय (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे मित्र श्री विट्ठल राव जाधव ने जो संकल्प प्रस्तुत किया है मै उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । दरिद्रता उन्मूलन और पिछड़ेपन से मुक्ति-भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दो महान लक्ष्य रहे हैं । इन लक्ष्यों ने देश के करोड़ों नर-नारियों में संघर्ष का संकल्प और बलिदान की उमंग पैदा की । जन-विद्रोह और अनवरत प्रतिरोध के एक लम्बे दौर के बाद भारतीय जनता को ब्रिटिश राज के चुंगल से मुक्ति मिली । 15 अगस्त, 1947 के बाद सारा देश एक जुट होकर एक बेहतर भविष्य के प्रति अटूट आस्था के साथ दो सौ सालों की विदेशी गुलामी से पैदा गरीबी, बेकारी, शोषण और पिछड़ेपन के दानवों से मुक्त स्वाधीन भारत की रचना के लिए आगे बढ़ा । राष्ट्रीयता की जगह क्षेत्रीयता और जातिवाद राष्ट्रीय जीवन के अभिशाप बनते जा रहे हैं । आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, जिन लक्ष्यों को लेकर देश की आजादी की लड़ाई जीती गई उन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए ही हमारे मित्र ने यह संकल्प प्रस्तुत किया है । मुझे बड़ी खुशी है कि हमारे देश के नेता श्री राजीव गांधी जी ने जो 20 सूत्री कार्यक्रम को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की दिशा में प्रयास किया है और समन्वित ग्रामीण विकास योजना, इंटीग्रेटेड रूरल डवलपमेंट या आर एस जी ई पी या नेशनल डैवलपमेंट यह तीन कार्यक्रम ऐसे हैं कि यदि इन कार्यक्रमों को ईमानदारी और सच्चाई से देश के अंदर लागू किया जाय तो मुल्क के करोड़ों इंसानों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठने का अवसर मिलेगा । अभी कल इसी सदन में हमारे देश के नेता राजीव गांधी जी ने कहा कि हम इन गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों को लागू करने के लिये संसद् सदस्यों और विधायकों और जनता के प्रतिनिधियों को भी इनवाइट करेंगे । इरादे उनके बहुत मजबूत हैं । देश से गरीबी को हटाने का उन का संकल्प है और उसको पूरा करने के लिये जिस तरह से लाखों लाख कार्यकर्ताओं की जरूरत है उन की आज बड़ी कमी है । जैसे हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई को जीतने के लिये गांधी जी की रहनुमाई में कई लाख लोगों ने अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ तन, मन, धन लगा कर, राष्ट्रीय भावना से प्रेरित हो कर उसके लिये काम किया और अंत में देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया उसी तरह से जब दश की आर्थिक आजादी को हासिल करने के लिये, राजनीतिक आजादी के बाद आर्थिक आजादी के सपने को पूरा करने के लिये लाखों लाख लोग, सरकारी पक्ष के लोग, विरोधी पक्ष के लोग भी देश की आजादी, आर्थिक आजादी को हमें हासिल करना चाहिए इस संकल्प को पूरा करने के लिये जब करोड़ों लोग इस महायज्ञ में जुटेंगे तभी हम अपने देश को गरीबी और